No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02835

जून, 2018

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. मराठी दलित साहित्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता को रेखांकित कीजिए । *10*

2. 'जब मैंने जाति छुपाई' कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए । *10*

3. 'परती ज़मीन' कहानी में चित्रित दलित जीवन पर प्रकाश डालिए । *10*

4. " 'अक्करमाशी' यातना से मुक्ति का क्रान्तिकारी दस्तावेज़ है" – इस कथन की समीक्षा कीजिए । *10*

5. 'मशालची' में अभिव्यक्त दलित जीवन का विश्लेषण कीजिए । *10*

6. 'घोड़ा' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए । *10*

7. 'रोटले को नज़र लग गई' कहानी की कथावस्तु पर विचार कीजिए । *10*

8. कन्नड़ दलित साहित्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए 'अमावस' कहानी की मूल संवेदना को उद्घाटित कीजिए । *10*

9. दलित समाज में उभरे आत्मबोध के कारणों का विवेचन कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

    (क) 'अस्पृश्य वसंत' की कथावस्तु

    (ख) डॉ. गुरुचरण सिंह राओ का रचना संसार

    (ग) 'गौरया' कविता में अभिव्यक्त दलित स्त्री की वेदना

    (घ) 'जीवन हमारा' में चित्रित नाना का व्यक्तित्व